



सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका अंक - 20

अगस्त-2021

हिंदुस्तान के स्वराज का सपना तभी पूरा होगा, जब सत्ता के केंद्र गाँव होंगे। गाँव की स्वायत्तता, स्वावलंबी अर्थ एवं प्रबंध सत्ता गाँव के लोगों के हाथ में होगी।

- गाँधी जी

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार




चलो गाँव की ओर...
हमें फिर देश बनाना है।

 suryaadarshgaonyojna

 suryafoundation1

 @suryafnd

 surya_foundation

 suryafoundation

www.suryafoundation.org

रक्तदान शिविर

काशी - उत्तर प्रदेश



सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना एवं शिवाजी यूथ ब्रिगेड के संयुक्त पहल से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर श्री शिवप्रसाद गुप्त

मंडलीय चिकित्सालय बनारस स्थित ब्लड बैंक में सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के शिक्षकों एवं शिवाजी यूथ ब्रिगेड के स्वयंसेवकों सहित 125 लोगों ने रक्तदान किया।

ब्लड बैंक के प्रमुख डॉ. आर. के. मिश्रा जी को पटका पहनाकर सूर्या फाउण्डेशन काशी क्षेत्र प्रमुख कुलदीप मोहन शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आदर्श गाँव योजना केंद्रीय टोली के सदस्य श्री गजानन जी ने भारतमाता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर सभी कार्यकर्ताओं को अखण्ड भारत के गौरवशाली इतिहास के बारे में जानकारी दी। सभी कार्यकर्ताओं ने स्वयं प्रेरित होकर रक्तदान किया।

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना, काशी के क्षेत्र प्रमुख कुलदीप मोहन शर्मा व शिवाजी यूथ ब्रिगेड के संगठन के संरक्षक अजीत कुमार ने सूर्या फाउण्डेशन के शिक्षकों, शिवाजी यूथ ब्रिगेड के धीरज पांडे, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई ब्रिगेड की संध्या पटेल, अंकिता तिवारी व राखी साहनी सहित सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद दिया।

जाखोदा - हरियाणा

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत हरियाणा प्रांत के झज्जर जिला के जाखोदा गाँव में सूर्या फाउण्डेशन एवं युवा मित्र मंडल के संयुक्त सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें गाँव के 62 युवाओं व महिलाओं ने भाग लिया। इस शिविर में आशीर्वाद ब्लड बैंक, बहादुरगढ़ के डॉ. अनूप सिंह जी, डायरेक्टर अमन जी, सुमित जी व सहयोगी डाक्टरों की टीम उपस्थित रही।

डॉ. अनूप सिंह जी ने युवा वर्ग को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि- जिन परिवारों में थैलासीमिया के मरीज होते हैं, जो लोग खून की कमी के कारण असमय मृत्यु के शिकार हो जाते हैं या दुर्घटना के समय आपातकाल रक्त की अत्यंत आवश्यकता होती है उस समय किया गया यही रक्तदान किसी परिवार के भविष्य को बचाने के काम आता है। देश के इन्हीं रक्तदाता, युवाओं द्वारा उन असहाय मरीजों को जीवनदान मिल पाता है। यह ब्लड किडनी के मरीजों की मदद के लिए कारगर साबित होता है।



युवा समिति द्वारा सामूहिक श्रमदान



छत्तीसगढ़ प्रांत के राजनांदगाँव जिले में बम्हनी ग्राम पंचायत में सूर्या फाउण्डेशन, माँ चण्डी युवा समिति पेंडी एवं युवा सेवा शक्ति संगठन द्वारा अशोक चौक परिसर में स्वतंत्रता दिवस के पूर्व साफ-सफाई एवं सुंदरीकरण हेतु स्वच्छता अभियान चलाया गया। वर्षा ऋतु के मौसम और बड़े ही लंबे समय से अशोक चौक परिसर में साफ सफाई न होने के कारण यह जर्जर अवस्था में था, जिसको संगठन के युवाओं द्वारा स्वच्छ एवं सुंदर किया गया। अशोक चौक परिसर में बने राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों की भी साफ-सफाई की गयी, जिसमें ग्राम पंचायत व आसपास से गाँव के युवाओं एवं समितियों का पूरा सहयोग मिला।

इस दौरान आदर्श गाँव सेवा प्रमुख राजेंद्र जी ने बताया कि स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए हमारे घर व आसपास के सभी स्थानों पर स्वच्छता होना अत्यंत आवश्यक है। इसलिए इस राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर संगठन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि गाँव के अलावा आसपास के क्षेत्र में स्थित राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों एवं महापुरुषों के प्रतिमाओं के परिसरों में स्वच्छता एवं सुंदरता के लिए स्वतंत्रता दिवस तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान गाँव के सरपंच, सेवाभावियों, स्वयं सहायता समूह की माताओं-बहनों एवं युवाओं का विशेष सहयोग रहा।



मनाया गया 75वाँ स्वतंत्रता दिवस

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत चल रहे सूर्या संस्कार केन्द्र बच्चों एवं सूर्या यूथ क्लब के युवाओं द्वारा 75वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, जिसमें क्षेत्र के चौकी इंचार्ज श्री महिराम जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। महिराम जी ने उपस्थित सभी बच्चों को स्वतंत्रता दिवस के बारे में बताया साथ ही सभी की सुरक्षा करने का वादा किया। संस्कार केन्द्र के नन्हें-मुन्हें बच्चों द्वारा देशभक्ति गानों पर कई मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

इस कार्यक्रम में सूर्या फाउण्डेशन के सह जोन प्रमुख श्री शत्रुहन जी ने सूर्या फाउण्डेशन की गतिविधियों व आयामों से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम के अध्यक्ष रिटायर्ड फौजी संग्राम सिंह जी ने सीमा पर ड्यूटी के दौरान के अनुभवों को साझा किया एवं युवाओं को फौज में जाने की तैयारी से संबंधित कुछ बातें बताईं।



समाज में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़े इसके लिए सूर्या फाउण्डेशन ने देश के 284 गाँवों में सूर्या यूथ क्लब द्वारा मेजर ध्यानचंद जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया, जिसमें 5923 युवाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर दौड़, कबड्डी, बॉलीवाल आदि खेलों का आयोजन किया गया। विजेताओं को गाँव के सरपंच और सेवाभावियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। नियमित रूप से खेल खेलने का अर्थ मानसिक और शारीरिक वृद्धि को प्रोत्साहित करना है। खेल हमें शारीरिक और मानसिक सन्तुलन को बनाए रखना सिखाता है। साथ ही एकाग्रता और स्मरण शक्ति को सुधारता है। मित्रता की भावना को विकसित करता है और दो लोगों के बीच के सभी मतभेदों को हटाकर सकारात्मक विचारों को लाता है और बहुत सी बीमारियों और विकारों से दूर रखता है।

मेजर ध्यानचंद जयंती



दीनदयाल धाम (मथुरा) में फलदार पौधों का वितरण

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिला में दीनदयाल धाम के आसपास 12 गाँवों में सामूहिक फलदार पौधा वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें आसपास के गाँव के किसानों को निःशुल्क पौधे वितरण किये गये। जिसमें- अनार, अमरूद, बेर, नींबू, आँवला के पौधे थे। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा प्रतिवर्ष वृक्षारोपण महाअभियान के तहत गाँव-गाँव में जन-जागरूकता अभियान चलाकर गाँव के किसानों को फलदार पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

इस पौधा वितरण कार्यक्रम में 12 गाँव के 500 किसानों को 5-5 निःशुल्क फलदार पौधे देकर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इस कार्यक्रम का समापन दीनदयाल धाम के डायरेक्टर श्री सोनपाल जी, दीनदयाल धाम स्मारक समिति के अधिकारी डॉ. कमल कौशिक जी, क्षेत्र प्रमुख श्री पुरुषोत्तम जी एवं गाँव के अनेक सेवाभावी उपस्थित रहे।



सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना द्वारा देश के 18 राज्यों के 350 गाँवों में नागपंचमी पर्व मनाया गया। इसमें 3935 माताओं, बहनों एवं बच्चों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को जीवों के प्रति दया एवं भारतीय संस्कृति के गौरवशाली परंपरा का स्मरण करवाया गया। नागपंचमी के अवसर पर पृथ्वी पर जितने मनुष्य उपयोगी हैं, उतने ही अन्य जीव भी। हमारा व्यवहार अन्य जीवों के प्रति कैसा हो ये बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर प्रकृति संतुलन को बनाए रखने के लिए जीवों के महत्व के बारे में भी बताया गया। नागपंचमी के अवसर में कर्नाटक प्रांत के बिदर क्षेत्र में संस्कार केंद्र पर माताओं-बहनों ने मिलकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

नागपंचमी पर्व





जल है तो कल है

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सूना।
पानी गये न ऊबरे, मोती, मानुष, चूना।

शत्रुहन कश्यप (अभियान प्रमुख)

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत चलाए जा रहे जल संरक्षण अभियान के तहत देशभर में विभिन्न प्रकार के जल संरक्षण के उपायों का प्रयोग किया गया। इस वर्ष तालाब निर्माण और गहरीकरण-180, एनीकट बाँध व जलाशय-128, किसानों द्वारा खेतों में मेडुबंदी-994, डबरी/गड्डों का निर्माण-193, सोखता गड्डों का निर्माण-78, छत के पानी संग्रह हेतु वाटर टैंक का निर्माण-269 और वाटर हार्वेस्टिंग 92 बनवाये गए।

देशभर में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता देखने को मिल रही है। राजस्थान श्री डूंगरगढ़ के आसपास हर गाँव के घर में सोखता गड्डा बनाया गया है, इससे जल की एक बूँद भी बाहर नहीं जाती। अगर मन में ठान लो तो कोई काम असंभव नहीं है। उदाहरण के लिए छत्तीसगढ़ के लिंगाराम ने अकेले ही बाँध बनाने का काम शुरू कर दिया बाद में उसकी मेहनत को देखकर गाँव वालों ने सहयोग किया। आज उन्हें डैममैन के नाम से जाना जाता है।

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संस्कार केन्द्र के बच्चों से चित्रकला, संभाषण प्रतियोगिता और रैली के द्वारा जन-जागरण किया गया। साथ ही सूर्या यूथ क्लब के युवाओं और सेवाभावियों द्वारा संगोष्ठी एवं संकल्प कराया गया। आज हम सबको जल संरक्षण हेतु संकल्पित होने की आवश्यकता है।



जल है तो कल है।

स्वयं सहायता समूह मध्य प्रदेश-सिंधवारी



मालनपुर, मध्य प्रदेश का औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण यहाँ रोजगार के बहुत अवसर हैं, सिंधवारी गाँव के महिला स्वयं सहायता समूह के सभी सदस्यों ने मिलकर एक छोटा सा कार्य प्रारंभ किया, जो उनकी आर्थिक और दैनिक जीवन में भी समृद्धि का कारण बना है। यह कार्य एक समूह ने शुरू किया, अब 60 महिलाओं ने यह कार्य अपना लिया है। महिलाएँ ग्वालियर मार्केट से कॉटन (रुई) लाकर, आपस में वितरित कर, अपने घरों में दीपबत्ती बनाने का कार्य करती हैं। तैयार दीपबत्ती को मार्केट में बेचकर आमदनी करती हैं। आज ये महिलायें रोजगार में दूसरे गाँव के लिए उदाहरण बनी हुई हैं।

सिलाई शिक्षक अनुभव : हरियाणा



ऊषा देवी
सिलाई शिक्षिका
सांखोल-हरियाणा

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा पिछले 2 वर्ष से गाँव सांखोल में निःशुल्क सिलाई केन्द्र चलाया जा रहा है। फाउण्डेशन द्वारा पाँच सिलाई मशीनें दी गयी हैं। सिलाई शिक्षिका होने से मेरा समाज सेवा के प्रति रुचि बढ़ी है। गाँव की माताओं-बहनों को सिलाई सिखाते हुए अब तक मैंने 60 से अधिक महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दिया है। वर्तमान में 13 बहने केन्द्र में सिलाई सीख रही हैं। सिलाई सीखकर गाँव की महिलाओं को एक नई राह

मिली है, जो उनको आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर करती है। प्रशिक्षण देना मुझे बहुत अच्छा लगता है। सिलाई केन्द्र में प्रैक्टिकल एवं थ्योरी दोनों प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है। सिलाई प्रशिक्षण पूरा होने के बाद स्वरोजगार के लिए भी प्रयास किया जाता है। मैं सूर्या फाउण्डेशन की टीम को धन्यवाद देती हूँ, जो इस प्रकार से समाज सेवा, विशेषकर महिलाओं के स्वावलंबन के लिए कार्य कर रहे हैं।

पौधे लगाओ - पर्यावरण बचाओ



अजय खरसन
अभियान प्रमुख

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत देशभर के 400 गाँवों में शिक्षा, संस्कार, समरसता, स्वास्थ्य और स्वालंबन के क्षेत्र में सेवाकार्य कर रही है। दूसरी ओर जल संरक्षण, गौ आधारित जैविक खेती, पर्यावरण एवं भारतीय संस्कृति क्षेत्र में भी कार्य कर रही है। सूर्या फाउण्डेशन भारतीय संस्कृति एवं परम्परा से प्रेरित होकर विगत 4 वर्षों से वृक्षारोपण महाअभियान का कार्य कर रही है।

इस वर्ष सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत पर्यावरण को लेकर पेड़ और जलवायु के दृष्टि से देशभर में 5 लाख वृक्षारोपण करने का लक्ष्य रखा था, जिसमें देशभर के 18 राज्यों के 389 गाँवों में 1500 वृक्षमित्रों, सेवाभावी और 40 हजार परिवारों के माध्यम से कुल 2 लाख फलदार पौधे, 2 लाख छायादार व एक लाख औषधीय पौधे लगाए गए।

इस वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत 11 अगस्त को 2021 (श्रावण शुक्ल तृतीया) को हरियाली तीज कार्यक्रम मनाया गया जिसमें एक गाँव, एक दिन,

3 सहजन के पौधे का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ और 389 गाँव के 1274 स्थान पर 1274 सहजन के पौधे लगाये गये। रक्षाबंधन के अवसर पर एक गाँव एक दिन एक बरगन का पौधा कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें 389 गाँव में 389 बरगद के पौधे रोपित किये गये।

वृक्षारोपण अभियान 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस को प्रारंभ कर 31 अगस्त 2021 तक (67 दिन) चलाया गया। इस महाअभियान को देशभर के 300 प्रिंट मीडिया व 25 इलेक्टॉनिक मीडिया में स्थान मिला। इस पुनीत कार्य को लेकर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी व अनेक राज्यों के मंत्रियों एवं सामाजिक क्षेत्र के अनेक पदाधिकारियों का शुभकामना संदेश के माध्यम से आशीर्वचन प्राप्त हुआ।



मौसमी और हरी सब्जियों के फायदे

मौसमी और हरी सब्जियों का सेवन आपको कई प्रकार की बीमारियों से दूर रखने में आपकी मददगार हैं। विशेषज्ञ भी मौसमी और हरी सब्जियाँ खाने की सलाह देते आ रहे हैं। हरी सब्जियाँ खाने से, शरीर में सारे पोषक तत्व माजूद होंगे, आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और आप हमेशा स्वस्थ रहेंगे।

लौकी : लौकी को लंबे समय से बरसात के मौसम में सबसे स्वास्थ्यप्रद सब्जी माना जाता है। लौकी स्वाद में मधुर, स्निग्ध, वातजनक है। इसमें आयरन की मात्रा होती है और यह विटामिन बी और सी से भरपूर होती है। यह कम कैलोरी वाली सब्जी भी है, जो आपके पेट को हल्का रखने में मदद करती है। मधुमेह, कब्ज और हृदय रोग में लाभकारी है।



करेला : करेला का स्वाद भले ही अच्छा न हो, लेकिन इसके अनगिनत फायदे हैं। करेला विटामिन **सी** का एक समृद्ध स्रोत है। करेला विशेषकर भूख न लगने, बदहजमी, लीवर के विकार, कब्ज आदि में लाभकारी है। करेला में आपके स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए मजबूत एंटीवायरल गुण पाये जाते हैं, जो आपको बरसात के मौसम में संक्रमण से भी बचाते हैं। यह बुखार में लाभकारी होने के साथ-साथ मोटापा कम करता है।



टिंडा : आप टिंडा के कई रूपों को सब्जी के लिए आजमा सकते हैं। टिंडा के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं जिसमें एंटी इन्फ्लेमेटरी एजेंट शामिल हैं जो सूजन, अम्लता और दिल की जलन को नियंत्रित करते हैं और पाचन प्रक्रिया को मजबूत करने में मदद करते हैं। टिंडा फाइबर सामग्री में उच्च है और आंत संबंधी विकारों को दूर रखता है।



कन्टोला (ककोरा) : ककोरा या कन्टोला प्रोटीन, आयरन और फाइबर से भरपूर आपके पाचन तंत्र को मजबूत करके पेट में होने वाली सभी समस्याओं को रोकता है। इसके अलावा कन्टोला बारिश के कारण होने वाले संक्रमण को कम करने में मदद करता है।



परवल : परवल की सब्जी को उच्चकोटि का त्रिदोष नाशक माना जाता है। इसके अन्दर कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन आदि पोषक तत्व पाये जाते हैं। बरसात में इसका सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। परवल में जीवनी शक्ति को बढ़ाने में मदद करती है तथा यह एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन **ए** और **सी** तत्वों से भरपूर है। यह हृदय के कार्य को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकता है। यह गुणकारी सब्जी आपको पेट की समस्याओं को दूर रखने में मदद करती है। परवल की पत्ती भी अनेक रोगों में लाभकारी है।



ग्वार फली : ग्वार फली में प्रोटीन, घुलनशील फाइबर और विटामिन के के साथ-साथ फास्फोरस, कैल्शियम, आयरन और पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है। यह डायबिटीज और ब्लड प्रेशर में बहुत फायदेमंद होती है। ग्वार फली हड्डियों को मजबूत रखती है और पाचन क्रिया को भी स्वस्थ रखती है। हर रोज एक से दो फली चबाने से मुँह की दुर्गंध दूर होती है तथा जीभ साफ करती है।



सब्जियों में रसायन तत्व को हटाने के लिए दो से तीन बार धोएं। सुनिश्चित करें, आप जो भी खा रहे हैं वह साफ है, बाहर की चीजें खाने से बचें, विशेष रूप से फास्ट फूड जो संक्रमण पैदा करने के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं। और हमारे शरीर में रोग का कारण बनते हैं।

खुद को पहचानो

- हर व्यक्ति किसी न किसी क्षेत्र में कोई न कोई काम अच्छी तरह से कर सकता है। उस क्षेत्र का पता लगायें और उसमें विकास करें। खुद को ऐसा व्यक्ति मानें, जो हासिल करने, सीखने और काम करने में समर्थ है।
- आप अपनी शक्तियों को पहचानें तथा उन पर हर दिन ध्यान केन्द्रित करें। आप कौन-सा काम अच्छी तरह से कर सकते हैं? उस एक काम पर ध्यान केन्द्रित करें, जिसे आप अच्छी तरह से कर सकते हैं। हो सकता है कि वह बहुत सामान्य काम हो, परंतु अपने दिन की शुरुआत उसी काम से करें।
- अच्छी किताबें पढ़ें, जो आपको प्रेरणा दें, हिम्मत दें और आपको सुख शांति प्रदान करें।
- जो लोग आप में विश्वास करते हैं, उनके विश्वास को बनाये रखें।
- ऐसे लोगों के साथ रहें, जो आप पर विश्वास करना चाहें और आपको सिखाना चाहें।
- आप कितने अयोग्य हैं, खुद को यह मत बताओ बल्कि अपने लक्ष्यों तथा छोटी-छोटी सफलताओं की सराहना करते रहो। आप खास हैं और आपको किसी विशेष कारण के लिए बनाया गया है।
- आपके अनूठे गुण, शक्तियाँ और योग्यताएँ एक महान योजना का हिस्सा हैं। दूसरा कोई व्यक्ति आपकी भूमिका नहीं निभा सकता। आपके गुण ईश्वर का दिया उपहार हैं।

स्वस्थ रहने के नुस्खे

- अच्छी नींद, अच्छी भूख, अच्छी सोच, अच्छी स्फूर्ति रहती है अर्थात् आप स्वस्थ हैं।
- मानसिक विश्राम के लिए योग, ध्यान और विपश्यना जरूर करें।
- जानवर अपने मूल आहार पर रहते हैं। इसलिए वे बीमार नहीं पड़ते।
- केवल घड़ी देखकर या जल्दबाजी में नहीं, खूब भूख लगने पर ही खाना खाओ, स्वस्थ रहोगे।
- दूध व फल अपने में पूर्ण आहार है। से भोजन के साथ न लें।
- बीमार पड़े तो जलाहार और फलाहार करें, रोग जड़ से समाप्त होगा।
- भूख से खाओ तो पत्थर भी हजम हो जाता है।
- गाजर रस, आँवला रस, हरी सब्जी आदि में भरपूर पोषक तत्व पाये जाते हैं, इनका अधिक से अधिक सेवन करें।



बोध कथाएँ

भाग्य की रेखा

घने वृक्षों की छाया में गांधार के राजगुरु आचार्यवर शिष्यों को शिक्षा दे रहे थे। गौरवपूर्ण का दुबला-पतला और लंबा बालक आचार्यवर के उपदेशों को बड़ी गंभीरता के साथ सुनता किंतु जब आचार्यवर उससे कोई प्रश्न करते तो वह ठीक से उत्तर नहीं देता और सर झुकाकर के खड़ा हो जाता। इससे आचार्य अप्रसन्न हो जाते और सहपाठी छात्र उनका उपहास उड़ाते। एक दिन आचार्य ने बालक से व्याकरण के संबंध में कुछ प्रश्न किया। उसकी स्थिति सदैव की भांति रही। आचार्य को क्रोध आ गया बोले तू मूर्ख है इतना कहकर उन्होंने बालक का दाहिना हाथ देखा आचार्य दुखित हो कर बोले पुत्र तुम्हारे हाथ में शिक्षा की रेखा नहीं है। तुम्हारे भाग्य में शिक्षा नहीं है। तुम कल से आश्रम में नहीं आना। बालक सारी रात सोच-सोचकर परेशान हो रहा था। उसने स्वयं अपने भाग्य का निर्माण करने का निश्चय किया। उसने धातु के नुकीले अस्त्र से अपने दाहिने हाथ पर रेखा खींच लिया। एक सप्ताह में घाव ठीक हो गया उसके हाथ में शिक्षा की रेखा दिखाई देने लगी। बालक सीधा आचार्यवर के पास पहुँचा और बोला आचार्यवर अब देखिए मेरे हाथ में शिक्षा की रेखा है।

आचार्यवर ने बालक के हाथ देखकर तो चकित रह गए, जब उनको पूरी बात पता चली वह बहुत दुखी हुए, अपने हाथ पर बनी भाग्य रेखा खींचने वाला यह बालक कोई और नहीं विश्व विख्यात व्याकरण आचार्य पाणिनी थे, जिन्होंने विश्व का प्राचीनतम भाषा संस्कृति की व्याकरणबद्ध करके उसे विश्व की सर्वाधिक सशक्त, समृद्ध व गौरवशाली भाषा बनाया।

रूप व गुण-श्रेष्ठ कौन?

मगध सम्राट चंद्रगुप्त ने एक बार आचार्य चाणक्य से कहा गुरुवर! काश आप सुंदर होते। चाणक्य ने कहा, राजन! मनुष्य की पहचान उसके गुणों से होती है, रंग-रूप से नहीं। तब चंद्रगुप्त ने पूछा, आचार्य क्या आप ऐसा कोई उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हो। जहाँ गुण के सामने रूप छोटा हो, तब चाणक्य राजा को दो अलग-अलग गिलास में पानी पीने को दिया। फिर चाणक्य ने कहा, पहले गिलास का पानी स्वर्ण के घड़े का और दूसरे गिलास का पानी मिट्टी के घड़े का। आपको कौन से घड़े का पानी अच्छा लगा। चंद्रगुप्त बोले मिट्टी के घड़े का। पास ही सम्राट चंद्रगुप्त की पत्नी बैठी थी। वह इस उदाहरण से काफी प्रभावित हुई। महारानी ने कहा वह सोने का घड़ा किस काम का जो संतुष्टि ना दे सके। मटका भले ही कुरूप हो, लेकिन प्यास मटके के पानी से ही बुझती है। यानी रूप नहीं गुण महत्वपूर्ण होता है।

तुम्हीं हो माता-पिता तुम्हीं हो

तुम्हीं हो माता-पिता तुम्हीं हो,
तुम्हीं हो बंधु सखा तुम्हीं हो॥
तुम्हीं तो साथी तुम्हीं सहारे
कोई न अपना सिवा तुम्हारे-2
तुम्हीं हो नैया तुम्हीं खिवैया
तुम्हीं हो बंधु सखा तुम्हीं हो॥1॥

जो खिल रहे हैं वो फूल हम हैं
तुम्हारे चरणों की धूल हम हैं-2
दया की दृष्टि सदा ही रखना
तुम्हीं हो बंधु सखा तुम्हीं हो॥2॥
तुम्हीं हो माता-पिता तुम्हीं हो
तुम्हीं हो बंधु सखा तुम्हीं हो॥

सूर्या फाउंडेशन के द्वारा देश भर में मनाया गया 75 वां स्वतंत्रता दिवस

परूधर बुलेटिन/निमेड़ा। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना राजस्थान के अंतर्गत चल रहे सूर्या संस्कार केंद्र एवं सूर्या यूथ क्लब के द्वारा 75 वें स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें जयपुर की नंद विहार कॉलोनी में सूर्य संस्कार केंद्र पर क्षेत्र के चौकी इंचार्ज एस0 आई0 महिराम ने ध्वजारोहण किया एवं अपने उद्बोधन में सभी को बधाई दी और सभी की सुरक्षा का वादा भी किया। नन्हे - मुन्हे बच्चों के द्वारा देश भक्ति के गानों पर कई मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई एवं सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में क्षेत्र के ग्राम रक्षक प्रदीप शर्मा, नीरू पांडेय, देवीनारायण, सुभाष कुमार, सूर्या फाउंडेशन के सहजोन प्रमुख शत्रुघन लाल कश्यप, क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा, कार्यकर्ता सूरज सेन, कन्हैया लाल, मोहित पारीक, मुकेश प्रजापत, कोमल प्रजापत, सुहानी, नेहल, विक्रम सिंह, विजय पाल अध्यक्ष, रमेश कुमावत उपाध्यक्ष, बजरंग लाल प्रजापत महासचिव, जितेंद्र तवर सहसचिव, अभिषेक कुमावत, सत्येंद्र शर्मा, राजू प्रजापत, पवन यादव, अभिषेक, संजय जागिड़, पवन जी शर्मा, रिछपाल सिंह, महेंद्र सिंह, समाजसेवी भोलूराम प्रजापत, कालूराम, संग्राम सिंह सहित करीब दो सैकड़ा लोग उपस्थित रहे।

पौधरोपण के बाद ली संरक्षण की जिम्मेदारी



डेली न्यूज, मिक्स रिपोर्टर, जयपुर। सूर्या फाउंडेशन का आदर्श गांव योजना के तहत देश के 18 राज्यों में कार्ययुक्त 400 गांव में पौधरोपण के साथ रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। इसमें नीम, बरगद, पीपल आदि पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधा गया और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी गांव के लोगों को दी। नटलालपुरा में क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा की उपस्थिति में गणेश नारायण शर्मा, सोनू शर्मा, सूरज सेन, राजेंद्र शर्मा, नाथू शर्मा आदि ने मिलकर नीम के पौधे लगाए।

हरियाली तीज पर सूर्या फाउंडेशन ने देशभर में 400 गांव में लगाए सहजन के पौधे

नई दिल्ली। सूर्या फाउंडेशन एक सामाजिक संस्था है जो पिछले 30 वर्षों से ग्राम विकास के लिए कार्य कर रही है। संस्था द्वारा आदर्श गांव योजना के अंतर्गत आयुष्मा, स्वास्थ्य, स्वास्थ्य, स्वास्थ्य और समाज के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के अभियान जैसे वृक्ष, जल संरक्षण पर आधारित जैविक कृषि, खेलकूद प्रतियोगिता, व्यक्तिगत विकास शिविर आदि चलाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में 50 पूर्णकालिक कार्यकर्ता, 600 शिक्षक, 1500 सेवाभावी अंगण योगदान दे रहे हैं। सहजन का पौधा जिसे मनुगा भी कहा जाता है यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। इसकी फूल, फल, पत्तियां सभी औषधीय हैं। इसमें एंटी बायोटिक गुणों के साथ-साथ विटामिन सी भी पाई जाती है जो हमारे इम्युनिटी सिस्टम को मजबूत करने का काम करती है। इसके प्रयोग से कई प्रकार की बीमारियां जैसे गठिया, अस्थिमा, डायबिटीज, शरीर की कमजोरी आदि से छुटकारा मिलता है। इसे गांव का वंश भी कहा गया है। पहला सूख निरोगी काया का वात को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष हरियाली तीज के अवसर पर फाउंडेशन ने देश भर में लगभग 400 गांव में 1200 सहजन के पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। संस्था द्वारा सभी गांव में सहजन के पौधे वितरित कर इसका उपयोग के बारे में बताया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली क्षेत्र के महाराज गांधी कैंप, वेद प्रकाश जिल्द पार्क में हरियाली



तीज का कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमन्त जी (बाइस सेक्टर में सूर्या फाउंडेशन) के साथ ही जिन 2 इंचाई भारत राज ओझा, मंडल अध्यक्ष कमल तवर जी उपस्थित रहे। यह जानकारी सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के क्षेत्र प्रमुख अरुण राजपूत ने दी।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा जल संरक्षण महाअभियान की हुई शुरुआत

(खबर का महााथी संवाददाता) जयपुर। सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत वर्तमान में सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों वृक्षरोपण महाअभियान, 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हेतु रजिस्ट्रेशन कार्यक्रम, एवं वेबिनार के माध्यम से ग्राम विकास की बातें जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ते हुए सूर्या फाउंडेशन द्वारा अब जल संरक्षण महा अभियान चलाया जा रहा है। सूर्या फाउंडेशन राजस्थान क्षेत्र प्रमुख आदर्श मिश्रा ने बताया कि हम सबको पता है आज जल की महत्ता कितनी बढ़ गई है। जल ही तो कल है, जल ही जीवन है, जीवन का आधार जल है। इस प्रकार जल संबंधी स्लोगन आज केवल प्रचलन मात्र ही रह गए हैं। इसलिए हम सबको जल संरक्षण हेतु प्रयास करने की आवश्यकता है जिससे कि भविष्य के लिए जल को



बचाया जा सके। जल संरक्षण के उपाय हम सब को अपने स्वयं के स्तर से ही करने होंगे ताकि जल की बचत की जा सके। वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से वर्षा जल को संग्रहित कर भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए कई जगह कार्य किये जा रहे हैं। फाउंडेशन द्वारा भी इस प्रकार के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए गांव में जन जागरण अभियान चलाया जा रहा है जिसमें संस्कार केंद्र के पैया बहनों द्वारा चित्रकला, भाषण लेखन, संभाषण प्रतियोगिता, छोटे-छोटे जागरूकता रैली, बड़े लोगों की छोटी-छोटी गोष्ठी के माध्यम से जल संरक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जल संरक्षण के लिए हम सबको जल के उपयोग करने की सजा को

पानी आदि को चूँकित कर खेतों, फार्कों एवम गार्डन में प्रयोग करना होगा। इसके साथ ही हमें ये भी पता है कि हम पानी बना नहीं सकते, केवल बचा सकते हैं। इसलिए वर्षा जल को तालाब, कुओं, जलारण, बांध और वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से भूजल स्तर को बढ़ा सकते हैं। इन चार सिद्धांत के माध्यम से हम अधिक से अधिक जल का संवय एवं संरक्षण कर सकते हैं। सूर्या फाउंडेशन ने इसी सिद्धांत के माध्यम से देश भर में जागरूकता अभियान चालू किया है जिससे वर्षा जल संरक्षण हेतु पहले से तैयारी कर सके और अधिक से अधिक जल संरक्षण में मदद मिल सके। इस कार्य में सूर्या फाउंडेशन राजस्थान के कार्यकर्ता सूरज सेन, मंगल चंद चौधरी, सुजीत प्रजापत, मुकेश कुमार, बजरंग लाल, कोमल प्रजापत, पन्पू कुमार, प्रवीण नुसाई, संतुष स्वामी सहित लगभग एक सैकड़ों सेवाभावी लगे हुए हैं।

सहजन के पौधे लगाने का कार्यक्रम सम्पन्न

खरखौदा। सूर्या फाउंडेशन द्वारा देश भर में सहजन के पौधे लगाने का अभियान सम्पन्न हो गया। फाउंडेशन के प्रदेश प्रभारी भंवर सिंह मधुर ने सहजन के औषधीय गुण बताते कहा कि सहजन का पौधा एक चमत्कारी पौधा है। इसके उपयोग से मनुष्य के गंभीर रोग ठीक हो जाते हैं। अभियान के तहत सूर्या फाउंडेशन के कार्ययुक्त 18 राज्यों के 600 गांवों में कार्यकर्ताओं ने हजारों पौधे रोपे। खरखौदा क्षेत्र में झिंझोली, हलालपुर, फिरोजपुर, तुर्कपुर, मंडोरा खांडा आदि गांवों में कार्यकर्ताओं ने सहजन के पेड़ लगाए। अभियान को सफल बनाने में राजेन्द्र, संजय, आदित्य, आशीष, तरुण लोकेन्द्र, नरेन्द्र, पवन भदौरिया, विनीत, रविन्द्र आदि की सराहनीय भूमिका रही।



जाखौदा में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

बहादुरगढ़। जाखौदा गांव में सूर्या फाउंडेशन व युवा मित्र मंडल के सहयोग से रक्तदान कैंप लगाया गया। गांव की बड़ी चौपाल में कैंप में युवाओं व महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। आशीर्वाद ब्लड बैंक के डॉ. अनूप सिंह, अमन व सुमित आदि की टीम ने रक्त संचय किया। मौके पर सुधांशु, कुशेश्वर मंडल, सुभाष, संजय दलाल, धर्मवीर व अभिषेक उपाध्याय के अलावा रणपति, हरिकेश, रिकेश, मंजीत व मोहित उपस्थित रहे।